एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र - प्रथम
(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास)

स्वाध्यायी अंक - 50

प्रश्न (1) सूरदास के वात्सल्य भाव का वर्णन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए। ससंदर्भ सहित

निर्गुन कौन देस को बासी।
मधुकर! हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच न हाँसी।।
को है जनक जननि को कहियत कौन नारि को दासी।
कैसो बरन भेस है कैसो केहि रस के अभिलाषी।।
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे! कहैगो गाँसी।।
सुनत मौन है रह्यो ठग्यो सों सूर सबै मतिनासी।।

प्रश्न (2) तुलसीदास की समन्वयवादी दृष्टि को समझाइए।

अथवा

बिहारी की अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न (3) रीतिकाल के प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

अथवा

रामकाव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों को बताइए।

प्रश्न (4) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए ससंदर्भ सहित

काहे को रोकत मारग सूधो।
सुनहु मधुप! निर्गुन-कंटक तें राजपंथ क्यों रूँधो।
कै तुम सिखै पठाए कुब्जा, कै कही स्यामघन जू धौं।
वेद पुरान सुमृति सब ढूँढ़ौ जुवतिन जोग कहूँ धौं।
ताको कहा परेखो! कीजै जानत छाछ न दूधौ।
सूर मूर अक्रूर गए लै ब्याज निबेरत ऊधौ।।

अथवा

बिहारी की काव्य-भाषा एवं मीरा की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न (5) घनानन्द का जीवन-परिचय दीजिए

अथवा

अयोध्या काण्ड की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र - द्वितीय
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास
स्वाध्यायी - पूर्णांक 50 अंक

नोट :- कोई पाँच प्रश्न हल करें।

प्रश्न (1) निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए -

पूरे विश्व की कौशल्या है, जो हर बारिश में बिसूर रही है - 'मोरे राम के भीजे मुकुटवा'। मेरी संतान, ऐश्वर्य की अधिकारिणी संतान वन में घूम रही है, उसका मुकुट, उसका ऐश्वर्य भीग रहा है, मेरे राम की सहचारिणी सीता का सिंदूर भीग रहा है, उसका अखंड-सौभाग्य भीग रहा है, मैं कैसे धीरज धरूँ।

अथवा

कथोपकथन की दृष्टि से 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न (2) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबन्ध का सारांश लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए -

जबरा शायद समझ रहा था कि स्वर्ग यहीं है, और हल्कू की पवित्र आत्मा में तो उस कुत्ते के प्रति घृणा की गंध तक न थी। अपने किसी अभिन्न मित्र या भाई को भी वह इतनी ही तत्परता से गले लगाता। वह अपनी दीनता से आहत न था, जिसने आज उसे इस दशा में पहुँचा दिया। नहीं, इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उसका एक-एक अणु प्रकाश से चमक रहा था।

प्रश्न (3) उपन्यास के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कहानी-कला के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न (4) कहानी के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'पगडंडियों का जमाना' निबंध की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न (5) पूस की रात कहानी की कहानी कला के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

एम ए ~~पूर्व~~ द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र तृतीय
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

स्वाध्यायी - 50 अंक

नोट:- कोई पांच प्रश्न हल करें।

प्रश्न ① अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत की विवेचन कीजिए।
अथवा
लॉंजाइनस की उदात्त की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ② वर्डसवर्थ के काव्य भाषा सम्बन्धी सिद्धांत का सम्यक् विवेचन कीजिए।
अथवा
कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ③ टी० एस इलियट के निर्वैयक्तिवाद पर प्रकाश डालिए।
अथवा
संवेगों का संतुलन विषयक आई० ए० रिचर्ड्स की मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ④ स्वच्छंदतावाद की प्रमुख स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।
अथवा
मनोविश्लेषणवाद की प्रमुख मान्यताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न ⑤ संरचनावाद की प्रमुख स्थापनाओं का परिचय दीजिए।
अथवा
उत्तर आधुनिकतावाद की सम्यक् विवेचना कीजिए।

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्रयोजन मूलक हिन्दी

नोट :- कोई पाँच प्रश्न हल करें। स्वाध्यायी पूर्णांक 50 अंक

प्रश्न (1) पत्रकारिता का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप को समझाइए। 10×5 = 50

अथवा

पत्रकारिता के प्रमुख प्रकारों को समझाइए।

प्रश्न (2) विभिन्न जनसंचार माध्यमों के स्वरूप के बारे में लिखिए।

अथवा

फिल्म एवं टेलीविजन की भाषा के बारे में लिखिए।

प्रश्न (3) पटकथा लेखन के बारे में विस्तार से लिखिए।

अथवा

हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका के बारे में विस्तार से लिखिए।

प्रश्न (4) कम्प्यूटर का परिचय देते हुए उसके विभिन्न उपयोगों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ई-मेल भेजने एवं प्राप्त करने की प्रक्रिया को समझाइए।

प्रश्न (5) राजभाषा के प्रमुख प्रकारों की चर्चा करते हुए पटलवन एवं टिप्पणी में अंतर बताइए।

अथवा

अनुवाद का स्वरूप क्षेत्र एवं प्रक्रिया समझाकर लिखिए।

× ×